पाठ-2

स्वर-माला

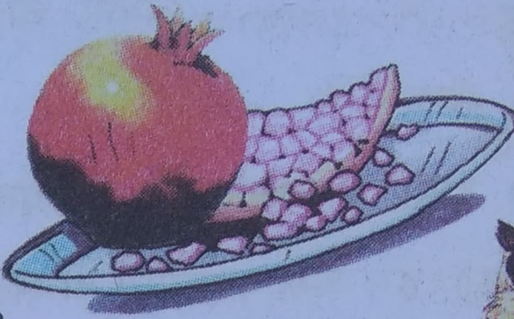

अनार के दाने लाल-लाल,
आम भी हैं मीठे रसाल।
इमली की चटनी इतनी खट्टी,
ईख का रस मगर मीठा जी।

उल्लू सोता रहता दिनभर,
ऊँट कराता रेगिस्तान का सफर।

ऋषि-मुनि बड़े ज्ञानी होते,
ऋषभ को हम बैल भी कहते।

एड़ी ठोंककर सलाम करते,
ऐनक लगाकर दादाजी पढ़ते।

ओखली भरती है अनाज से,
औरत-आदमी संग-संग बढ़ते।

अंगूर खट्टे हैं लोमड़ी कहती,
आँगन में लोग लगाते तुलसी।

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका इस कविता का सस्वर वाचन कर विद्यार्थियों को सुनाएँ। फिर विद्यार्थी उनके साथ-साथ दोहराने की कोशिश करें।

अभ्यास-माला

1. आओ, इन्हें देखें और बताएँ :

अनार

आ.......

उ.......

ऊँ.......

ओ.......

औ.......

2. आओ, इन्हें पहचानें और बोलें :

अ आ उ ऊ ओ औ

3. आओ, इन वर्णों से बननेवाले शब्दों को जानें :

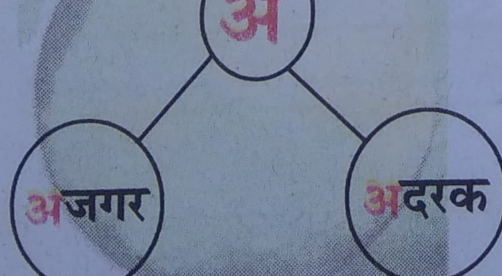

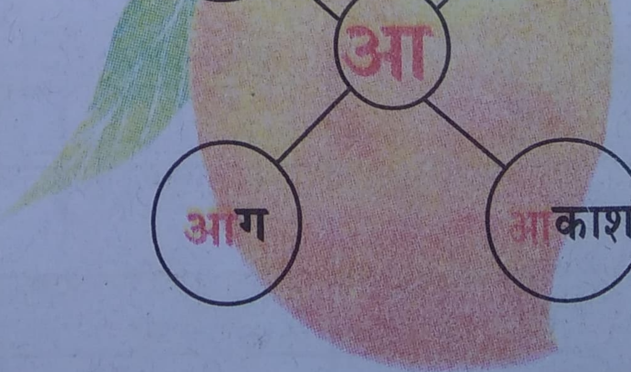

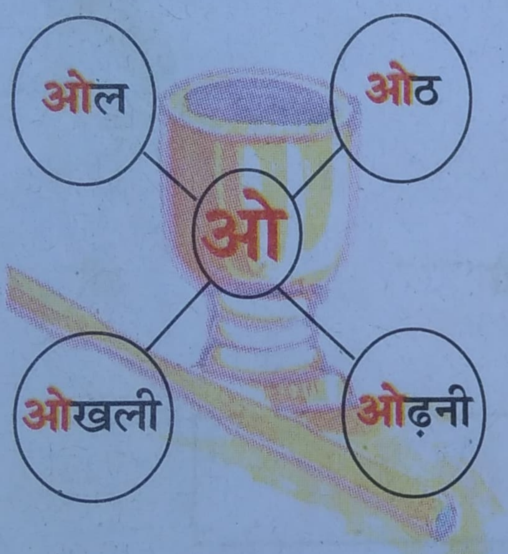

4. आओ, अब इन्हें लिखने का अभ्यास करें :

उ ऊ अ आ ओ औ

उ

5. आओ, चित्रों को देखकर खाली जगह भरें :

.... ल्लू

.... न

.... खली

.... ग

.... मरूद

.... रत

6. आओ, अब इन्हें भी पहचानें और बोलें :

इ	ई	ए	ऐ
इमली	ईख	एक	ऐनक
इनाम	ईद	एड़ी	ऐलान
इमारत	ईश	एकतारा	ऐरावत

7. आओ, इन्हें पूरा करें :

(क)

...	ख
श	

...	म	ली
ला		
ज		

...	ड़ी
क	

...	न	क
ला		
न		

(ख)

अ	....	इ	....
उ	....	ऋ	ए
....	ओ	....	अं

8. आओ, अब 'ऋ', 'अं', और 'अः' वर्णों को जानें :

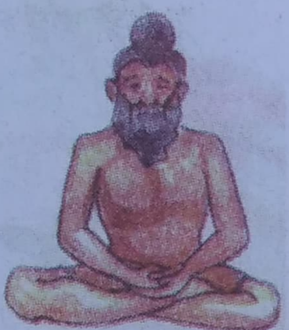

अः
- दुःख
- अतः
- छः

ऋ
- ऋक्ष
- ऋषभ
- ऋषि

अं
- अंग
- अंडा
- अंगूर

9. आओ, खाली जगह भरें :

ऋ →	....षि	....षभ
अं →	....डा	....गूर
ः →	दु....ख	अत....

10. आओ, स्वर वर्णों को क्रम से पढ़ें :

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ
अं	अः		

11. आओ, पहचानें और पढ़ें :

आ उ ई अ

इ ऋ ऊ औ

ऐ अं ए अः

ओ

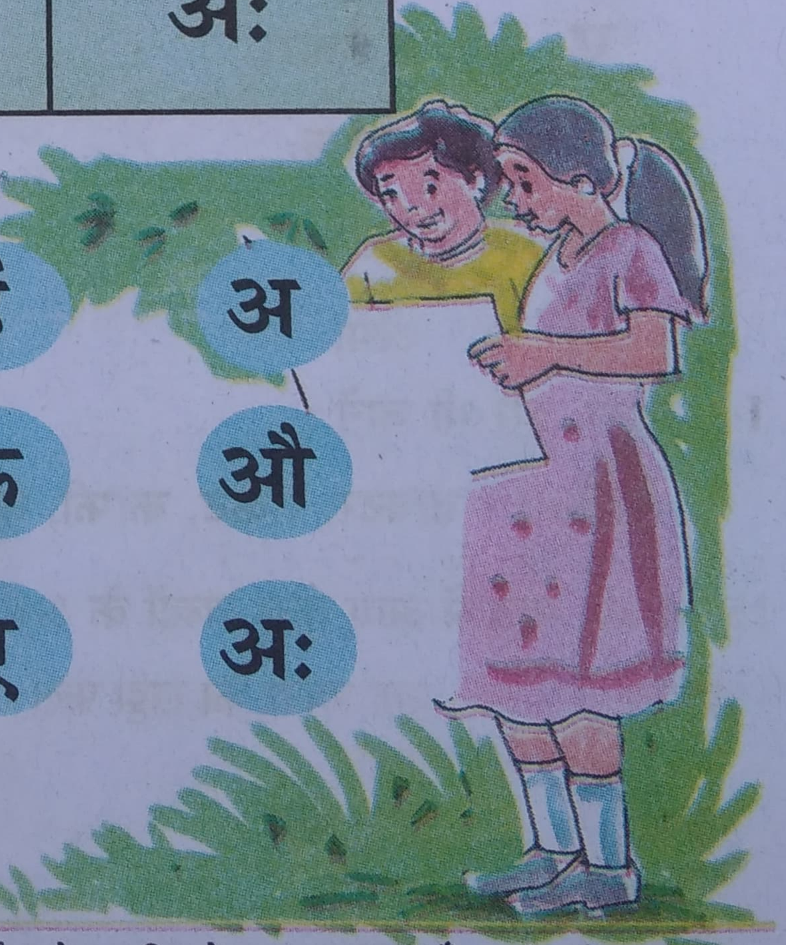

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका बच्चों को स्वर वर्ण पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास कराएँ। स्वयं श्याम-पट्ट पर एक-एक वर्ण लिखें और बच्चों से बारी-बारी से लिखवाएँ।

12. आओ, इनमें कौन-कौन से स्वर वर्ण हैं, बोलें और लिखें :

अमल	आम	इमारत	ऋषि	ईश
....अ....	....	....	....	....
ऊन	उधर	खाओ	औषध	ऐसा
....	....	....	....	....

13. आओ, इन वर्णों से बने शब्दों से आद्यक्षरी खेलें :

इ → इमली, इनाम, ...

ई → ईश, ...

ए → एकतारा, ...

ऐ → ऐनक, ...

ऋ → ऋषि, ...

अं → अंग, ...

14. आओ, इसे भी जानें :

ऑ → ॉ - डॉक्टर, रॉकेट, कॉफी, कॉलेज, हॉकी, ऑफिस

15. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

इमली	=	एक प्रकार का खट्टा फल	ऋषभ	=	बैल
ईख	=	गन्ना	सफर	=	भ्रमण
मगर	=	किंतु, परंतु	अनाज	=	अन्न
रेगिस्तान	=	मरुभूमि	ऐलान	=	घोषणा
औलाद	=	संतान	लोमड़ी	=	गीदड़ के आकार का जंगली पशु
ऐनक	=	चश्मा			